भादो का महीना घटाएंघनघोर

भादो का मुहीना घटाए घनघोर
आधी रात को जन्मे देखो नटवर नंद किशोर

जेल में जन्मे है कृष्ण कन्हाई
लीला प्रभु ने देखों कैसी रचाई
खुल गए ताले सारे ना चला कंस का जोर
आधी रात को जन्मे देखो नटवर नंद किशोर
भादो का मुहीना घटाए घनघोर...

इत मथुरा उत गोकुल प्रा
बीच में बँह रही जमुना की धारा
धन्य हो गई यमुना जब् देखे नंदकिशोर
आधी रात को जन्मे देखो नटवर नंद किशोर
भादो का मुहीना घटाए घनघोर...

नंदरानी खुश बड़ी नंद हृषर्षाए
तीनों लोकों के स्वामी घर में हैं, आए
इतना प्यारा लल्ला ना देखा कोई और
आधी रात को जन्मे देखो नटवर नंद किशोर
भादो का मुहीना घटाए घनघोर...

अन्न धन् गउएं नंदू बाबा बाटे
सोना चांदी हीरे मोती दाऊ लुटावे
ढोल नगाड़े बाजे नहीं खुशियों का है ठौर
आधी रात को जन्में दिखो नटवर नंद किशोर
भादो का मुहीना घटाए घनघोर...

भादो का मुहीना घटाए घनघोर
आधी रात को जन्मे देखो नटवर नंद किशोर

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36657/title/bhado-ka-mahina-ghataen-ghanghor

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |